

प्रेषक,

टीकम सिंह पवार
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 21 नवम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में राज्य सैक्टर के अन्तर्गत गंगा/यमुना एवं सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 517/गंगा कार्ययोजना/दिनांक 25.08.07 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गंगा/यमुना एवं सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण हेतु उपलब्ध कराये गये ₹0 40.00 लाख के प्राक्कलन पर टी.सी. वित्त के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि अनु0लागत ₹0 28.53 लाख (रुपये अट्ठाईस लाख तरेपन हजार मात्र) के प्राक्कलन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में इतनी ही धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सार्व स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हरताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2008 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का निवेदन एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार संक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

8- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों का तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है

१८

अथवा बाजार भाव से ली गई है, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता के अनुमोदन कराना आवश्यक होगा तदुपरांत ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

9- यदि कार्य समय से पूर्ण कर लिया जाता है तो जिन मदों में 6 माह के आधार पर ऑकलन में प्राविधान कसया गया है तो उसमें होने वाली बचतों को शरान को समर्पित कर दी जायेगी।

10- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

11- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-05-मंगा यमुना एवं सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त करना-00-20- सहायक अनुदान/ अंशदान/ राजराहायता के नामों डाला जायेगा।

15- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-563/XXVII(2)/2007 दिनांक 23 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उम्मीद सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

पू०सं० 1744/उत्तीस(2)/06-2(116 पै०)/2007 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. गण्डलायुक्त गढ़वाल गण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संरक्षण।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(मिजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
7. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड्कागी)

उप सचिव

26/11/07